RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : शनिवार 08 जुलाई 2023 | वर्ष 05 | अंक 76 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

मुंबई, ठाणे, पालघर में अगले 48 घंटे होगी मूसलाधार बारिश

मुंबई : मुंबई के कई हिस्सों विशेषकर उपनगरों में शुक्रवार शाम को मूसलाधार बारिश हुई, जबकि मुंबई के पड़ोसी ठाणे और नवी मुंबई सहित आसपास के इलाकों में भी भारी बारिश हुई। इस दौरान अनेक हिस्सों में जलभराव से आम जनजीवन प्रभावित हुआ। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 8 जुलाई तक मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पालघर में भारी बारिश होने की संभावना जताई है। लगातार बारिश के कारण अंधेरी के कुछ निचले इलाकों में पानी भर गया, जिसके कारण शाम के पीक आवर्स के दौरान कुछ समय के लिए अंधेरी सबवे को बंद करना पड़ा। बाद में सबवे को यातायात की आवाजाही के लिए फिर से खोल दिया गया। इसके अलावा कांजुरमार्ग में गांधी नगर जंक्शन, भांडुप विलेज रोड और विले पार्ले में होटल सहारा स्टार के पास जलभराव की सूचना मिली। भारी बारिश के कारण वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, एलबीएस मार्ग पर ट्रैफिक धीमा हो गया और लोगों को जाम की समस्या का सामना करना पड़ा। मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने ट्वीट कर बताया कि जलजमाव के कारण सहारा स्टार रामनगर सबवे पर वाहनों की आवाजाही धीमी हो गई।

17 जुलाई से शुरू होगा विधानमंडल का मानसून सत्र, मंत्रिपरिषद विस्तार पर अनिश्चितता

मुंबई : महाराष्ट्र विधानमंडल का मानसून सत्र 17 जुलाई से चार अगस्त तक चलेगा। यह निर्णय शुक्रवार को विधानसभा की कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में लिया गया। बैठक में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के साथ रविवार को सरकार में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री अजित पवार और राकांपा नेता छगन भुजबल मौजूद थे। भारतीय जनता पार्टी के सूत्रों ने कहा कि सत्र से पहले मंत्रिपरिषद के विस्तार की संभावना नहीं है, हालांकि राकांपा से मंत्रियों को विभागों का आवंटन आने वाले दिनों में हो सकता है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि हो सकता है कि मंत्रिपरिषद में केवल कैबिनेट मंत्री हों, न कि कोई राज्य मंत्री। इस बीच, शिंदे नीत शिवसेना के एक नेता ने कहा कि मंत्रिपरिषद विस्तार एक या दो दिन में हो सकता है। उन्होंने कहा, द्वाइभाजपा और शिवसेना दोनों के सदस्यों को शामिल किया जाएगा। ऐसी अटकलें हैं कि अजित पवार के नेतृत्व वाले राकांपा गुट के सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा बनने के बाद शिंदे खेमे में बेचैनी है।

उद्धव ठाकरे को तगड़ा झटका

कद्दावर नेता नीलम गोरे भी शिंदे गुट में शामिल

मुंबई : फिलहाल महाराष्ट्र में घनघोर सियासी घमासान चल रहा है। वहीं इन सब उठापटक के बीच उद्धव ठाकरे को अब एक और भी बड़ा झटका लगने जा रहा है। जी हां आज शिवसेना उद्धव बाला साहब ठाकरे की नेता नीलम गोरे ने अब पार्टी से इस्तीफे दे दिया है। वहीं वे अब जल्द ही शिंदे गुट में शामिल हो गईं हैं। इतना ही नहीं उनके साथ उद्धव ठाकरे गुट के शिवसेना के 2 पदाधिकारी भी जाएंगे और अब वे शिंदे गुट में शामिल होंगे।

जानकारी दें कि, नीलम गोरे राज्य विधान परिषद के उपसभापति भी हैं। वहीं उन्होंने यह पहले भी कहा था कि, शिवसेना उद्धव बाला साहब ठाकरे के प्रति उनकी प्रतिबद्धता दृढ़ थी और भविष्य में भी रहेगी। इसके पहले भी इस कयासों को लेकर शिवसेना उद्धव गुट की नेता नीलम गोरे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की मीडिया रिपोर्टों का खंडन करते हुए अपने एक बयान में कहा था कि, मैंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुंबई की यात्रा के दौरान मुलाकात की थी। हालांकि उनके मुताबिक, इस मुलाकात का कोई राजनीतिक मकसद नहीं था।

दरअसल इसी बैठक ने इन अटकलों को हवा दी थी कि, नीलम गोरे ने एकनाथ शिंदे से मुलाकात की और डिप्टी चेयरपर्सन के रूप में अपनी स्थिति को सुरक्षित करने के लिए अपने गुट में शामिल होने की योजना बना रही हैं। लेकिन अब इन कयासों की पुष्टि होती दिख रही है।

राज ठाकरे ने CM शिंदे से की मुलाकात

मनसे-शिवसेना गठबंधन की अटकलें तेज

मुंबई : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे प्रदेश की राजनीति में अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। ऐसे में उद्धव ठाकरे के साथ गठ बंधन के अटकलों के बीच उन्होंने सूबे के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उनके आधिकारिक आवास मुलाकात की। इस मुलाकात को लेकर कई अटकलें लगाए जा रहे हैं।

इससे पहले बीते दिन मनसे नेता अभिजीत पानसे ने राज्यसभा सांसद संजय राउत से मुलाकात की थी। जिसके बाद महाराष्ट्र के बदले राजनीतिक परिदृश्य में दोनों ठाकरे बंधुओं (उद्धव और राज ठाकरे) के बीच संभावित सुलह को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी थीं। वहीं, ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र नव निर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे तथा शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बीच बातचीत के लिए किसी मध्यस्थ की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि दोनों भाई हैं।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

शहरीकरण की चुनौतियां

अहमदाबाद में मेयर सम्मेलन में उचित ही इस निष्कर्ष पर पहुंचा गया कि हमारे शहर देश का भाग्य तय करेंगे। यह बात जितनी सही दुनिया के लिए है, उतनी ही देश के लिए भी। आज सभी नीति-नियंता इस पर एकमत हैं कि शहर विकास के इंजन हैं। अन्य देशों की तरह भारत में भी शहरीकरण की गति बहुत तेज है। इस तेज गति ने शहरीकरण की चुनौतियां बढ़ा दी हैं। नगर निकाय शहरों में रहने वालों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। शहरों में जिस अनुपात में जनसंख्या का दबाव बढ़ता चला जा रहा है, उस हिसाब से बुनियादी ढांचे का विकास नहीं हो पा रहा है। जो विकास हो भी रहा है, वह नियोजित नहीं है। अनियोजित विकास शहरों की समस्याएं बढ़ा रहा है। अनियोजित विकास शहरी जीवन को कष्टप्रद तो बना ही रहा है, शहरों के विकास में बाधक भी बन रहा है। यदि देश को तेजी से आर्थिक प्रगति करनी है तो उसे अपने शहरों की दशा संवारनी ही होगी। हमारे छोटे-बड़े शहर गंदगी, प्रदूषण, ट्रैफिक जाम और लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को तनाव देने वाली समस्याओं से घिरते जा रहे हैं। अपने देश के शहरों में सार्वजनिक यातायात के साधन भी संतोषजनक नहीं। इन्हीं सब कारणों से कुछ लोग शहरों से दूर रहने का विकल्प चुनने को बाध्य हो रहे हैं।

शहरीकरण को लेकर बातें तो खूब होती हैं, लेकिन इस पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है कि उनका समुचित विकास कैसे हो। शहरीकरण संबंधी ज्यादातर योजनाएं समस्याओं का फौरी निदान करने वाली होती हैं। इसके चलते जो फ्लाईओवर, अंडरपास, बाईपास आदि बनते हैं या फिर नए मोहल्ले बसाए जाते हैं, वे कुछ ही समय बाद समस्याओं से घिर जाते हैं। स्पष्ट है कि टाउन प्लानर उस दूरदर्शिता का परिचय नहीं दे रहे हैं, जो आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है। शहरी जीवन को आरामदायक बनाने और शहरों को आर्थिक विकास में अधिकाधिक भागीदार बनाने में नगर निकायों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन उनके ज्यादातर कार्य कामचलाऊ ही होते हैं। एक समस्या यह भी है कि वे भ्रष्टाचार और संकीर्ण दलगत राजनीति के साथ अन्य अनियमितताओं से ग्रस्त हैं। यह उनकी लचर कार्यप्रणाली का ही परिणाम है कि वे शहरों के विकास के लिए अपने बलबूते संसाधन भी नहीं जुटा पाते। क्या यह विचित्र नहीं कि एक ओर शहरों को संवारने की बातें की जाती हैं और दूसरी ओर यह देखने को मिलता है कि उनमें झुग्गी बस्तियां बढ़ती जाती हैं? नगर निकायों के कामों की गुणवत्ता का स्तर भी गया-बीता है। समझना कठिन है कि सड़कें बनने के साथ ही खराब क्यों हो जाती हैं? सड़कों के साथ अन्य सार्वजनिक स्थल अतिक्रमण का भी शिकार होते रहते हैं। यह भी देखने में आता है कि एक ही शहर के अलग-अलग इलाकों के विकास के मामले में भिन्न-भिन्न मानक अपनाए जाते हैं।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

महाराष्ट्र का असर बिहार में?

जेडीयू में टूट की अटकलों के पीछे असल वजह कहीं ये तो नहीं

महाराष्ट्र : क्या महाराष्ट्र में एनसीपी के दो फांक होने जैसी घटना बिहार में भी दोहराई जा सकती है? जबसे शरद पवार की पार्टी टूटी है, तभी से इस बात को लेकर चर्चा काफी गर्म है। बीजेपी ने इस बात को हवा दी कि नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू में फूट पड़ रही है। इसके बाद नीतीश कुमार ने अपने सभी विधायकों और सांसदों के साथ मीटिंग भी की। ऐसे में खबर आ रही है कि बिहार में सियासी सरगर्मी तो है, लेकिन मामला असल में कुछ अलग ही है।

क्या होगा जेडीयू-आरजेडी में विलय?

दरअसल जेडीयू और आरजेडी दोनों दलों में एक बड़ा वर्ग इस बात के पक्ष में है कि दोनों दलों का आपस में विलय हो जाए, और यह काम आम चुनाव से पहले हो जाए। इस प्रक्रिया में नीतीश कुमार नई पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनें और लोकसभा चुनाव भी लड़ें। वहीं बिहार की कमान तेजस्वी यादव को सौंप दी जाए। इस चर्चा के बीच जेडीयू के कई नेता असहज हैं। वे पार्टी में अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं।

बीजेपी इन्हीं नेताओं को रडार में रख रही है। इनमें कुछ सांसद और विधायक भी हैं। वहीं गठबंधन नेताओं के अनुसार अभी इस बारे में कोई फैसला नहीं हुआ है, और जब भी कोई पहल होगी, सभी नेताओं को विश्वास में लेकर ही आगे का काम किया जाएगा। ऐसे में बिहार में भी अगले कुछ दिन महागठबंधन के लिए बेहद अहम साबित होने वाले हैं। हालांकि, जेडीयू के नेताओं को लेकर बीजेपी की ओर से जो कुछ भी कहा जाए, नीतीश कुमार उकसावे में आने वाले नहीं है। उन्हें पता है कि कब क्या करना है। यही वजह है कि जेडीयू विधायकों और दिग्गज नेताओं से नीतीश ने स्पेशल मीटिंग की थी। नीतीश कुमार का ये सियासी अंदाज ही है कि वे अपने नफा-नुकसान का आकलन किए बगैर कोई कदम नहीं उठाते हैं।

नालासोपारा पूर्व प्रभाग क्रमांक ४९ में आरसीसी गटर के काम में भ्रष्टाचार!

ठेकेदार सुधाकर बी. दातीर द्वारा निकृष्ट दर्जे का काम!

नालासोपारा, नालासोपारा पूर्व स्थित प्रभाग बी के प्रभाग क्रमांक ४९ में विधायक निधि से निर्माण किए जा रहे हैं आरसीसी गटर के काम में भारी भ्रष्टाचार उजागर हुआ है। ज्ञात हो कि प्रभाग क्रमांक 43 के सितारा बेकरी से लेकर कांचन हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज तक आरसीसी गटर का काम विधायक नीति अंतर्गत लाखों रुपए के काम को मंजूरी दी गई है। इस काम का ठेकेदार सुधाकर भी दातिर है जिसने निकृष्ट दर्जी का काम सितारा बेकरी से कांचन स्कूल तक जिसमें डर के ऊपर या नीचे किसी भी तरह का सीमेंट रेती का उपयोग नहीं किया गया सीधे आरसीसी गटर पाइप को मिट्टी के ढेर में रखकर ऊपर से मिट्टी डाल दी गई है जिससे पाइप के अंदर कचरा जमा होकर पाइप जाम हो जाएगा। भविष्य में रोड पर फिर गटर का पानी बहता हुआ दिखाई देगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनता की गाढ़ी कमाई को आमदार निधि के रूप में ठेकेदार के पास पहुंचा दिया गया है गटर के काम के नाम पर लाखों रुपए की निधि मंजूर की गई है लेकिन भविष्य में निकृष्ट दर्जे के काम के वजह से रोड पर गटर का पानी बहता हुआ दिखाई देगा। इस संबंध में स्थानीय समाज सेवकों ने कई बार शिकायत की है लेकिन मनपा प्रभाग के अधिकारी व जिम्मेदार लोगों पर कोई असर नहीं पड़ा है।

भिवंडी में जगह-जगह कचरे का अंबार

इतने दिन से कचरा नहीं उठा रहे ठेकेदार

भिवंडी : भिवंडी शहर में करीब सप्ताह भर से कचरा ढुलाई ठेकेदारों द्वारा शहर स्थित तय जगहों से कचरा नहीं उठाए जाने की वजह से समूचे शहर में कचरे का अंबार जमा हो गया है। कचरे की उठती बदबू की वजह से लोगों को सड़क से मुंह पर रुमाल रखकर जाने की मजबूरी हो गई है। शहर के नागरिकों की बार-बार शिकायत के बाद भी भिवंडी महानगरपालिका प्रशासन ठेकेदारों पर कोई सख्त कार्रवाई करने में असफल साबित हो रहा है।

गौरतलब है कि भिवंडी महानगरपालिका प्रशासन द्वारा करीब डेढ़ करोड़ रुपए प्रतिमाह में शहर के सभी तय जगहों से कचरा उठाकर डंपिंग ग्राउंड तक ले जाने के लिए आरएंडबी इंफ्रा लिमिटेड (बोरीवली) को ठेका दिया गया है। कचरा ठेकेदार को महानगरपालिका ने घंटा गाड़ी सहित तमाम आवश्यक संसाधन संसाधन भी मुहैया कराया है। महानगरपालिका सफाई कर्मियों द्वारा शहर स्थित समूचे क्षेत्र में सुबह से दोपहर तक कचरे की सफाई कर कचरे के ढेर को कचरा कुंडी और तय जगहों पर इकट्ठा किया जाता है। कचरा सफाई होने के बाद कचरा ढुलाई ठेकेदार की गाड़ियों द्वारा कचरा को उठाकर रामनगर, शांति नगर स्थित डंपिंग ग्राउंड में डाला जाता है।

ठेकेदार कर रहा लापरवाही

कचरा ढुलाई ठेकेदार द्वारा कार्य में हमेशा लापरवाही की जा रही है। शहर से कचरा नहीं उठाने की वजह से शहर में संक्रामक बीमारियों का प्रादुर्भाव होना शुरू हो गया है। कचरे की दुर्गंध की वजह से लोगों का जीना मुहाल हो रहा है। शहर के नागरिकों की बार-बार शिकायत के बावजूद महानगरपालिका प्रशासन कचरा ढुलाई ठेकेदार पर कोई कार्रवाई करने में परहेज करता दिखाई पड़ता है।

महाराष्ट्र की जेलों में बंद विदेशी कैदियों को मिलेगी वीडियो कॉलिंग की सुविधा

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र की जेलों में बंद विदेशी कैदियों को वीडियो कॉलिंग की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। पिछले दिनों आदेश जारी किया गया था कि जेलों में बंद पुरुष और महिला कैदियों को फोन कॉल की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। अब एक सुधारित पत्र निकालकर जेल में बंद विदेशी कैदियों को वीडियो कॉलिंग की सुविधा प्रदान किए जाने की जानकारी दी गई है। लेकिन पाकिस्तानी, बांग्लादेशी और आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वाले कैदियों को यह सुविधा नहीं मिलेगी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कैदियों के लिए यह सुविधा पहली बार महाराष्ट्र में शुरू की जा रही है। इससे पहले 2018 में महिला कैदियों के लिए वीडियो कॉलिंग के जरिये परिवार से बात कराने की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। इसके अलावा ओपन जेल में बंद कैदियों के लिए परिवार से फोन कर बात करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी।

इसके बाद अतिरिक्त पुलिस महासंचालक अमिताभ गुप्ता ने 4 जुलाई को पत्र जारी कर विदेशी कैदियों को वीडियो कॉलिंग सुविधा उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। महाराष्ट्र में कुल 637 विदेशी कैदी हैं, जिनमें 523 पुरुष और 114 महिला कैदी शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र की जेलों में बंद कैदियों में से नाइजेरियाई नागरिकों की संख्या 197 है। ड्रग्स के मामलों में नाइजेरियाई नागरिक ज्यादा लिप्त पाए गए।

मुंबई- अहमदाबाद राजमार्ग पर पालघर के पास 50 से अधिक अवैध निर्माण को तोड़ा गया।

मुंबई : मुंबई- अहमदाबाद राजमार्ग को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए, महाराष्ट्र के पालघर जिले में नागरिक प्राधिकरण ने 50 से अधिक अवैध संरचाओं को सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया है। यह कदम हाल ही में हुई भारी बारिश के बाद उठाया गया है, यह कदम हाल ही में हुई भारी बारिश के बाद उठाया गया है, जिसके कारण महत्वपूर्ण राजमार्ग पर भारी यातायात जाम हो गया है। प्रवर्तन प्रयासों ने मुख्य रुप से उन ढाबों और स्थायी इमारतों को लक्षित किया जिन्होंने राजमार्ग की भूमि पर अतिक्रमण किया था। विध्वंस अभियान का नेतृत्व वरिष्ठ नागरिक अधिकारियों और पुलिस कर्मियों ने किया। इसका उद्देश्य अनधिकृत निर्माण को समाप्त करके मार्ग की मूल स्थिति को बहाल करना था।

इससे पहले, यह बताया गया था कि अवैध भूमि भराव के कारण राजस्व और नागरिक अधिकारियों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का खेल शुरू हो गया था। 9 मई को लिखे एक पत्र में, वीवीसीएमसी ने वसई तालुका तहसीलदार को सासुनवरघर, सर्वे नंबर 117 में भूमि के अवैध भराव की सूचना दी। कथित तौर पर, राजस्व अधिकारी ने तहसीलदार से अवैध भूमि भराव के दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करने के उनके अनुरोध को नजरअंदाज कर दिया।

'उद्धव और राज ठाकरे हैं भाई, कभी भी कर सकते हैं बात... संजय राउत का बड़ा दावा,

महाराष्ट्र : एनसीपी में जारी सियासी खींचतान ने पूरे देश की राजनीति में हड़कंप मचा दिया है. विपक्षी दलों की ओर से दावा किया जा रहा है कि शिवसेना के बाद एनसीपी को टुकड़े में बांटने वाली बीजेपी अन्य राज्यों में भी इसी प्लान को आगे बढ़ाएगी. इस बीच शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने दावा किया कि शिंदे खेमे के चार लोगों ने आज भी हमसे बात की है. उन्होंने कहा कि कई लोग हमारे संपर्क में हैं. राज्यसभा सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे से करीबी बढ़ाने पर भी खुलकर बात की. उन्होंने कहा कि राज ठाकरे से बात करने के लिये कोई मध्यस्तता नहीं चाहिए. उन्होंने कहा, ''उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे भाई हैं, कभी भी बात कर सकते हैं. कल मेरी उद्धव ठाकरे से राज ठाकरे के बारे में बातचीत हुई है. राज ठाकरे से हमारा भावनात्मक रिश्ता है.''

केवल बोलने पर सदस्यता खत्म कर दी जाती है- संजय राउत

शिवसेना यूबीटी के नेता ने मानहानि केस में दोषी करार दिए गए राहुल गांधी की गुजरात हाईकोर्ट में होने वाली सुनवाई को लेकर कहा कि उनकी सदस्यता केवल बोलने पर खत्म कर दी जाती है. उन्होंने कहा कि मुझे आशा है कि ऊपर वाले की अदालत में राहुल गांधी को न्याय मिलेगा. गौरतलब है कि गुजरात हाईकोर्ट ने राहुल गांधी को निचली अदालत से मिली सजा को बरकरार रखा है. इस फैसले के बाद कांग्रेस ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का फैसला किया है.

लूट करने वाले बने हुए हैं मंत्री- राज्यसभा सांसद

संजय राउत ने एनसीपी के बागी नेता अजित पवार पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि अजित पवार शिवसेना को खत्म कर रहे हैं. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शुगर मिल लूटने वाले महाराष्ट्र शिंदे सरकार में मंत्री बने हुए हैं.

बुलढाणा बस हादसे को लेकर बड़ी जानकारी आई सामने, शराब पीकर गाड़ी चला रहा था ड्राइवर

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के बुलढाना में हुए बस हादसे की जांच में बड़ी जानकारी सामने आई है. जांच में पाया गया है कि बस का ड्राइवर नशे की हालत में बस चला रहा था, जिसके चलते ये हादसा हुआ. फॉरेंसिक रिपोर्ट (फ्म्ब्छ) के मुताबिक ड्राइवर दानिश के शरीर में अल्कोहल लिमिट से 30% ज्यादा शराब पाई गई. जिसके बाद जांच इस नतीजे पर पहुंच सकती है कि इस बस हादसे के लिए ड्राइवर दानिश को ही जिम्मेदार ठहराया जाए. इस हादसे में बस का ड्राइवर दानिश और कंडक्टर अरविंद मारूति जाधव जिंदा बच गए थे. पुलिस दोनों को हिरासत में ले चुकी है और उनसे पूछताछ भी हो चुकी है.

नींद में था बस ड्राइवर

महाराष्ट्र में 100ml ब्लड में 0.03 या 30MG अल्कोहल की लिमिट है, लेकिन ड्राइवर के खून में 30% ज्यादा शराब पाई गई. सबूतों के अनुसार जिस वक्त यह हादसा हुआ ड्राइवर नींद में था. अब रिपोर्ट सामने आने के बाद कोर्ट में इसे पेश किया जा सकता है, जिससे आरोपी ड्राइवर और कंडक्टर को कड़ी सजा दिलाई जा सके.

कैसे हुआ था हादसा?

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में एक जुलाई को समृद्धि एक्सप्रेस-वे पर एक बस के खंभे और डिवाइडर से टकराकर पलट जाने के बाद उसमें आग लगने से 25 यात्रियों की झुलसकर दर्दनाक मौत हो गई थी. पुलिस ने बताया था कि नागपुर से औरंगाबाद रूट पर बस पहले लोहे के खंभे से टकराई और नियंत्रण खोने के बाद डिवाइडर से टकराकर पलट गई. बुलढाना के इस हादसे के बाद पीएम मोदी और महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे समेत तमाम नेताओं ने दुख जताया और मुआवजे का ऐलान हुआ. इस हादसे के बाद पुलिस ने समृद्धि एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की जांच शुरू कर दी. जिसमें वाहनों के पहियों की स्थिति, हवा/नाइट्रोजन दबाव और आपातकालीन खिड़कियों की हालत पर गौर किया गया. बस में दो चालक तथा परिचालक है या नहीं, वैध दस्तावेज और अन्य महत्वपूर्ण कारकों की भी जांच की गई.

ठाणे में भयंकर बारिश से ढहा चॉल का एक हिस्सा, कोई घायल नहीं

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर के मानपाडा में एक चॉल के गलियारे का एक हिस्सा भारी बारिश के कारण ढह गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। ठाणे नगर निगम के जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) के प्रमुख यासीन तडवी ने कहा कि यह घटना बृहस्पतिवार देर रात करीब 11 बजे हुई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग और आरडीएमसी के कर्मी मौके पर पहुंचे। तडवी के मुताबिक, चॉल लगभग 40 साल पुरानी है और इसके गलियारे का 10 से 20 फुट हिस्सा धंस गया है, जबकि शेष भाग भी जर्जर स्थिति में है। उन्होंने बताया कि अस्थायी उपाय के तौर पर चॉल में रहने वाले लोगों को पास की एक चॉल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

‘महाराष्ट्र को तोड़ना चाहती है बीजेपी’

उद्धव ठाकरे बोले- पहले शिवसेना, अब एनसीपी, इसके बाद...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में जारी सियासी उथल-पुथल के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बीजेपी को निशाने पर लिया. उद्धव ठाकरे ने गुरुवार (6 जुलाई) को कहा कि बीजेपी ने शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को तोड़ दिया है और महाराष्ट्र को तोड़ना चाहती है. एनसीपी में हुई टूट पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में ठाकरे ने कहा, ‘‘वे महाराष्ट्र के खिलाफ हैं. उन्होंने पहले शिवसेना और अब एनसीपी को तोड़ दिया. वे महाराष्ट्र को तोड़ना चाहते हैं और ऐसा कोई नहीं चाहते जो उन्हें बाहर निकलने से रोक सके.’’

अजित पवार के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार में डिप्टी सीएम बनने के बाद एनसीपी में दोफाड़ हो गए हैं. इसके बाद से ही चाचा शरद पवार और भतीजे अजित के बीच एनसीपी के नेतृत्व पर कब्जा बनाए रखने की सियासी लड़ाई जारी है. अजित ने खुद को एनसीपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित करवा लिया है और चुनाव आयोग में पार्टी को लेकर अपना दावा ठोंक दिया है. वहीं, शरद पवार भी चुनाव आयोग की शरण में पहुंच चुके हैं. ये तमाम चीजें ठीक वैसे ही घटित हो रही हैं, जैसे शिवसेना के साथ हुई थीं.

क्या शिंदे गुट हुआ नाराज?

महाराष्ट्र सरकार में अजित पवार की एंट्री के बाद दावा किया जा रहा है कि एकनाथ शिंदे गुट के कई विधायक नाराज हैं. शिवसेना यूबीटी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत भी दावा कर चुके हैं कि एनसीपी में हुई बगावत और अजित की राज्य सरकार में एंट्री से शिंदे गुट के 17 से 18 विधायक नाराज हैं और उनके संपर्क में हैं. इसके साथ ही संजय राउत ने महाराष्ट्र को नया मुख्यमंत्री मिलने का दावा किया. एकनाथ शिंदे गुट के नेता और उद्योग मंत्री उदय सामंत ने इन तमाम दावों को सिरे से खारिज कर दिया. उन्होंने कहा कि सीएम एकनाथ शिंदे को लेकर लगाई जा रही तमाम अटकलें गलत हैं. उन्होंने कहा कि जो कुछ भी हुआ है (उसके लिए) पहल मुख्यमंत्री शिंदे ने ही की थी. वहीं, शिंदे गुट के कई विधायकों ने बयान जारी करते हुए कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है.

‘टमाटर से सस्ता पेट्रोल’...

सामना में केंद्र पर वार- जोड़-तोड़ की राजनीति में व्यस्त है सरकार

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में अजित पवार की बगावत के बाद राजनीतिक भूचाल आ गया है. भतीजे अजित पवार ने शरद पवार की राजनीतिक पार्टी (एनसीपी) पर अपना दावा ठोंक दिया है. उद्धव ठाकरे गुट वाली शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना के जरिए महाराष्ट्र में सियासी घमासान और महंगाई को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर वार किया है. कहा गया है कि पेट्रोल-डीजल के दाम ‘किफायती’ लगने लगें, इतने टमाटर के दाम बढ़ गए हैं. टमाटर की कीमतों की तुलना में पेट्रोल सस्ता है, ऐसी स्थिति निर्माण हो गई है. सामना में लिखा गया है कि महंगाई को लेकर यूपीए सरकार के नाम का ढिंढोरा पीटते हुए मोदी सरकार 2014 में सत्ता में आई थी. बीते नौ सालों से केंद्र में लगातार उन्हीं की सत्ता है, पर महंगाई का क्या? महंगाई बिल में छिपकर बैठ गई है क्या? हकीकत यही है कि मोदी राज में न दर वृद्धि थमी है, न ही महंगाई छिपकर बैठी है. टमाटर के दाम प्रति किलो 120 से 150 रुपये तक बढ़ गए हैं.

‘मोदी राज में भी अलग क्या हो रहा है?’

सामना में महंगाई को लेकर मोदी सरकार पर कई सवाल भी उठाए गए. पूछा गया कि जब वैश्विक दरें कम होती हैं, तब पेट्रोल-डीजल उस प्रमाण में सस्ते क्यों नहीं होते? महंगाई का ठीकरा आप कभी इस पर तो कभी उस पर फोड़नेवाले होंगे तो सरकार के रूप में जनता को आपका क्या लाभ? अब टमाटर 150 रुपये के पार पहुंच गया है फिर भी इसका ठीकरा मानसून पर फोड़ रहे हो. प्याज को लेकर भी सालों-साल से यही होता आया है. मोदी राज में भी अलग क्या हो रहा है? 9 सालों के शासनकाल में निर्णयों का ढोल आप सर्वत्र पीटते हो, फिर इन 9 सालों के बाद भी ‘महंगाई डायन’ आम जनता की गर्दन से उतरने का नाम लेती क्यों नहीं दिख रही है?

‘जोड़-तोड़ की राजनीति में व्यस्त है सरकार’

सामना में महाराष्ट्र में घमासान से लेकर मणिपुर हिंसा और महंगाई तक पर हमला बोला. संपादकीय में लिखा गया कि साग-सब्जी की दरें ‘तिहरा शतक’ लगा रही हैं. टमाटर भड़क उठा है. जनता आक्रोश से लाल हो रही है. वहां मणिपुर जल ही रहा है लेकिन मोदी सरकार हमेशा की तरह शांत और उदासीन है. 9 सालों के शासनकाल का ढोल पीट रही है, जोड़-तोड़ की राजनीति में व्यस्त है. महंगाई के दावानल और उसमें झुलसती जनता की अवस्था की जानकारी इस सरकार को है क्या?

क्या एक और विधायक छोड़ेगा उद्धव ठाकरे का साथ!

संजय राउत ने किया था दावा, शिंदे गुट के कई विधायक से है संपर्क

मुंबई : जहां एक तरफ इस समय महाराष्ट्र में घनघोर सियासी उठापटक चल रहा है। वहीं सूत्रों से मिल रही खबर के अनुसार उद्धव ठाकरे को अब एक और बड़ा झटका लगने जा रहा है। जी हां कुछ अन्य मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार और पार्टी सूत्रों की मानें तो शिवसेना वइळ पार्टी का विधानपरिषद का एक और विधायक शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट में शामिल होने को है। कहा जा रहा है कि इस विधायक के साथ उद्धव ठाकरे गुट के शिवसेना के 2 पदाधिकारी भी जाएंगे और अब वे शिंदे गुट में शामिल होंगे। हालांकि इसके पहले उद्धव गुट से संजय राउत ने दावा करते हुए कहा था कि शिंदे गुट के कई विधायक हमारे संपर्क में हैं। दरअसल शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने बीते गुरुवार को यह दावा किया था कि, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली बागी शिवसेना के कम से कम 17 से 18 विधायक जो ठढळ नेता अजित पवार गुट के राज्य सरकार में शामिल होने से बेहद खफा हैं, और इस बदले हालात के बाद हमारी पार्टी के संपर्क में हैं।

देर रात CM एकनाथ शिंदे से मिले फडणवीस, कैबिनेट विस्तार पर हुई चर्चा...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार की चर्चा के बीच उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कल यानी गुरुवार देर रात मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। शिंदे की नाराजगी की खबरों के बीच यह मुलाकात अहम बताई जा रही है। सूत्रों की मानें तो एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस ने पावर शेयरिंग को लेकर चर्चा की। इससे पहले दावा किया जा रहा था कि शिवसेना शिंदे गुट सरकार में एनसीपी की एंट्री से नाखुश है और सीएम जल्द ही इस्तीफा दे सकते हैं। हालांकि, खुद सीएम ने इसका खंडन करते हुए कहा था कि मेरी मुख्यमंत्री पद छोड़ने की कोई योजना नहीं है। यह सब अफवाहें हैं और मुझे यह भी पता है कि इसके पीछे कौन है?

नाराजगी और इस्तीफे की अटकलों पर इस बीच शिवसेना नेता उदय सामंत ने कहा था कि हम इस्तीफा देने वाले नहीं, बल्कि लेने वाले हैं। शिंदे का नेतृत्व सभी को साथ लेकर चलने और धैर्य रखने का है। सभी विधायकों, सांसदों ने एकनाथ शिंदे पर भरोसा जताया है। यह सब एकनाथ शिंदे की छवि खराब करने के लिए किया जा रहा है।

आइए जानते हैं महाराष्ट्र में बीते दिन क्या-क्या हुआ...

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में टूट के बाद दिल्ली में शरद पवार के आवास पर कार्यसमिति की बैठक हुई। इस दौरान उन्होंने एलान किया कि वह ही पार्टी के अध्यक्ष हैं। उन्होंने अपने भतीजे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के रिटायरमेंट संबंधी बयान पर भी किया। उन्होंने कहा कि वह चाहे 82 वर्ष के हों या 92 वर्ष के अभी भी अधिक प्रभावी ढंग से काम कर सकते हैं। पार्टी कार्यसमिति ने शरद पवार पर भरोसा जताया और अजित पवार और आठ अन्य विधायकों, सांसद प्रफुल्ल पटेल तथा सुनील तटकरे को निष्कासित करने संबंधी उनके फैसले का समर्थन किया।

राहुल ने की पवार से मुलाकात

इस बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राकांपा से जुड़े संकट के बीच शरद पवार से मुलाकात की। सूत्रों की मानें तो शरद पवार के आवास पर इस मुलाकात के दौरान राहुल गांधी ने उनके साथ एकजुटता प्रकट की। पार्टी में टूट के बाद किसी राष्ट्रीय नेता की शरद पवार से यह पहली मुलाकात थी। विपक्षी नेताओं सोनिया गांधी, एमके स्टालिन और ममता बनर्जी सहित अन्य ने पवार को फोन कर एकजुटता व्यक्त की थी। इस बीच अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट ने कहा कि शरद पवार की ओर से बुलाई गई राकांपा कार्यसमिति की बैठक की कोई कानूनी वैधता नहीं है।

महाराष्ट्र में अब कांग्रेस ने अशोक चव्हाण को लेकर अटकलें शुरू,
BJP के समर्थन के सवाल पर खुद दिया जवाब

महाराष्ट्र : एनसीपी में हुई बगावत के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान उठा हुआ है. शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता दावा कर रहे हैं कि जल्द ही कांग्रेस के भी कई विधायक शिंदे सरकार में शामिल हो सकते हैं. इन चचाओं पर अब कांग्रेस की ओर भी बयान आया है. महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने इन अटकलों को अफवाह करार दिया है. महाराष्ट्र में बीजेपी-शिवसेना सरकार को समर्थन देने की अटकलों पर गुरुवार (6 जुलाई) को अशोक चव्हाण ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा कि मैं आज कांग्रेस कोर कमेटी की बैठक में था और मुझे नहीं पता कि कौन हमारे बारे में अफवाहें फैला रहा है. मेरी कुछ पूर्व निर्धारित बैठकें थीं इसलिए मैं उन बैठकों के लिए निकल गया हूं. इससे पहले शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक संजय शिरसाट ने दावा किया था कि महाराष्ट्र कांग्रेस के कई विधायक पार्टी छोड़ना चाहते हैं. मैंने सुना है कि 16-17 विधायक कांग्रेस छोड़ना चाहते हैं. वे जल्द ही निर्णय लेंगे और कांग्रेस भी विभाजित हो जाएगी. संजय शिरसाट ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अपने पद से हटने की सभी अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि एकनाथ शिंदे सीएम बने रहेंगे. डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़णवीस ने भी साफ कहा है कि अगला चुनाव उनके नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा.

अजित पवार ने की थी बगावत

गौरतलब है कि बीते रविवार (2 जून) को एनसीपी नेता अजित पवार ने कई विधायकों को साथ लेकर बगावत कर दी थी. उन्होंने खुद को असली एनसीपी बताते हुए महाराष्ट्र की बीजेपी-शिवसेना सरकार को समर्थन दिया था. अजित पवार ने शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम पद की शपथ ली थी. जबकि एनसीपी के 8 अन्य नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली थी.

बप्पा के भक्तों के लिए खुशखबर !
4 फीट से अधिक ऊंची POP की गणेश मूर्ति कर सकते है विराजमान

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र का सबसे बड़ा उत्सव यानी गणेशोत्स्व है। इसे लेकर कई महीनों पहले से ही लोग गणेश आगमन की तैयारियां शुर कर देते है। ऐसे में अब गणेशोत्स्व बस कुछ ही महीने दूर है। दरअसल अब एक बड़ी खबर सामने आई है। जी हां पीओपी के नियमों को लेकर गणेश मंडलों को बड़ी राहत मिली है।

पीओपी के विकल्प सुझाने के लिए महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा दिशानिर्देशों की घोषणा अब तक नहीं हुई है, इसलिए 4 फीट से ऊंची मूर्तियों के लिए पीओपी का उपयोग किया जा सकता है। लेकिन ध्यान रहे कि चार फीट से कम ऊंची मूर्तियों के लिए शाडू मिट्टी अनिवार्य होगी। इस बीच, मूर्तिकारों और मूर्ति विक्रेताओं-भंडारों को वन विंडोपद्धति से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा आज से उपलब्ध करा दी गई है। ऐसे में अब मुंबई में गणेशोत्सव मंडलों पर पीओपीप्रतिबंध का व्यवधान इस साल कम से कम टल गया है।

चूंकि महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अभी तक प्लास्टर ऑफ पेरिसका विकल्प सुझाने के लिए दिशानिर्देशों की घोषणा नहीं की है, इसलिए मुंबई में सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल इस साल चार फुट की गणेश मूर्ति पीओपीका उपयोग कर सकेंगे। हालांकि, 4 फीट से नीचे की मूर्तियां शाडू मिट्टी से बनी होनी चाहिए।

निर्माण स्थल पर लोहा से मजदूर की मौत, ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज...

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक निर्माण स्थल पर 22 वर्षीय मजदूर के ऊपर लोहे की छड़ गिरने और उसके शरीर के आर-पार हो जाने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बदलापुर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि घटना एक जुलाई को बदलापुर इलाके में हुई और पुलिस ने बुधवार को एक अज्ञात ठेकेदार के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 304-ए (लापरवाही से मौत) के तहत मामला दर्ज किया।

उन्होंने बताया कि पीड़ित निर्माण स्थल पर काम कर रहा था, उसी वक्त कुछ मजदूर एक 'डक्ट से लोहे की छड़ें निकालकर ऊपरी मंजिल तक पहुंचा रहे थे, तभी एक छड़ गलती से पीड़ित के ऊपर गिर गया और उसके शरीर के आर-पार हो गया। अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद वहां मौजूद अन्य मजदूरों ने छड़ को बाहर निकाला और पीड़ित को नजदीकी अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शुरूआत में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया था, लेकिन शव परीक्षण रिपोर्ट मिलने के बाद ठेकेदार के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने कहा कि ठेकेदार ने मजदूरों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) प्रदान नहीं किए थे और उनकी सुरक्षा के लिए कोई सावधानी नहीं बरती थी, जिससे दुर्घटना हुई और मजदूर की मृत्यु हो गई। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है और मामले की जांच जारी है।

'मंत्री बनने के इच्छुक अवसर खोने से दुखी, अब उस सूट-बूट का क्या किया जाए',
महाराष्ट्र की घटना पर नितिन गडकरी का व्यंग्य

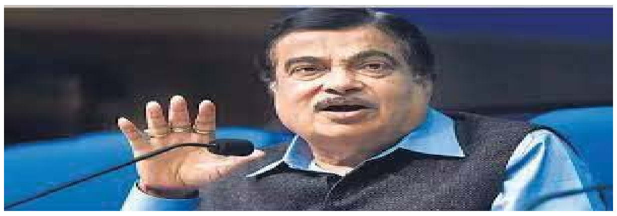

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में राजनीतिक भूकंप के बाद केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पहली बार एक कार्यक्रम के दौरान अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। नितिन गडकरी ने कहा कि अपने देश के लोग दुख के महासागर में डूबे हुए हैं। विधायक नहीं बनने से नगरसेवक दुखी है, मंत्री नहीं बनने से विधायक दुखी हैं, अच्छा विभाग नहीं मिलने से मंत्री दुखी नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि जो है उसी में संतोष मान लेना बेहतर होता है।

"...अपना नंबर लगने का इंतजार कर रहे थे"

नितिन गडकरी ने कहा कि अपना देश और यह समाज दुखी आत्माओं का महासागर है। उन्होंने कहा कि मंत्री बनने के इच्छुक अब अवसर खो जाने से दुखी हैं। यह सब इच्छुक पहले सूट-बूट बनवाकर तैयार थे, अपना नंबर लगने का इंतजार कर रहे थे। अब सूट वैसे ही रह गया, उनकी समस्या है कि सूट का क्या किया जाए। किसी सभागृह की तरह मंत्रिमंडल की क्षमता भी नहीं बढ़ सकती। यह बयान केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कल नागपुर में राष्ट्रसंत टुकड़ोंजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय शिक्षण मंच की ओर से आयोजित गुरु वंदना कार्यक्रम में दिया।

"मंत्री बनने के इच्छुक अब सूट का क्या करेंगे"

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री गडकरी ने कहा कि मंत्री पद पाने के इच्छुक अवसर खो जाने से बेहद दुखी हो गए। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल की क्षमता भी नहीं बढ़ाई जा सकती है। सभी इच्छुक ने पहले ही सूट-बूट बनाकर तैयार कर लिया था, लेकिन अब उनके सामने सवाल है कि इस सूट-बूट का क्या किया जाए। बता दें कि हाल ही में महाराष्ट्र में शरद पवार की पार्टी में बड़ी टूट के बाद भतीजे अजित पवार ने अपने साथ 33 विधायकों के समर्थन के दम पर एनडीए से हाथ मिला लिया और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम बन गए। तभी से महाराष्ट्र की सियासत में भूचाल मचा हुआ है।

ठाणे में झील में कूदकर एक महिला ने की आत्महत्या

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक महिला (28) ने कथित तौर पर झील में कूदकर आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना बुधवार रात करीब साढ़े 11 बजे हुई। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तडवी ने बताया कि महिला मसुंडा झील में कूद गई। वह खारतन इलाके की रहने वाली थी। अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोगों के घटना की सूचना देने के बाद दमकल कर्मी और आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ का एक दल मौके पर पहुंचा। तब तक कुछ लोग महिला को झील से निकाल चुके थे। उन्होंने बताया कि महिला के रिश्तेदार उसे तुरंत अस्पताल ले गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला के ऐसा कदम उठाने के पीछे की वजह अभी पता नहीं चल पाई है।

‘महिलाओं की आड़ में पुरुष चला रहे पंचायत’

याचिका पर सुनवाई से SC ने किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पंचायती राज संस्थाओं में महिला सीटों के आरक्षण के खिलाफ एक याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। हालांकि उत्तर प्रदेश के एक सामाजिक स्टार्टअप को इस बात की अनुमति दी गई है कि वह अपनी समस्या को पंचायती राज मंत्रालय के समक्ष रखे। इस याचिका में दावा किया गया था कि पंचायत चुनावों में छद्म प्रक्रिया का पालन हो रहा है। महिलाओं की आड़ में पुरुष ही पंचायतों को चला रहे हैं।

जस्टिस एसके कौल और सुधांशु धूलिया की खंडपीठ ने गुरुवार को याचिका पर विचार करने से मना करते हुए याचिकाकर्ता से कहा, ‘हम शासनात्मक प्राधिकरण नहीं हैं। आप कहना चाह रहे हैं कि यह छद्म तरीके से हो रहा है। तो क्या हम महिलाओं को चुनाव लड़ने से रोक दें? यह एक क्रमिक विकास की प्रक्रिया है।’

उन्होंने कहा कि आपकी याचिका समस्या का कोई समाधान नहीं देती है। आपका कहना है कि प्रधान के चुनावों में छद्म तरीके से पंचायतों में महिलाओं की जगह पुरुष काम कर रहे हैं। आपने समाधान यही दिया है कि समिति बनाकर मामले को देखा जाए।

कोयंबटूर में DIG सी विजयकुमार ने

खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

कोयंबटूर। पुलिस उपमहानिरीक्षक (कोयंबटूर रेंज) सी विजयकुमार ने शुक्रवार सुबह रेस कोर्स स्थित अपने कैंप कार्यालय में अपनी सर्विस पिस्टल से खुद को गोली मार ली। उन्होंने खुद को गोली क्यों मारी अभी इस बात का खुलासा नहीं हुआ है।

सुबह-सुबह पहुंचे थे अपने ऑफिस

सूत्रों के मुताबिक, विजयकुमार सुबह टहलने निकले और करीब 6.45 बजे अपने कैंप ऑफिस आए। उन्होंने अपने निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) से अपनी पिस्तौल सौंपने को कहा और वह उसे लेकर कार्यालय से बाहर आ गए। उन्होंने सुबह करीब 6.50 बजे खुद को गोली मार ली।

सूत्रों ने बताया कि विजयकुमार ने अपने साथी अधिकारियों को बताया कि वह कुछ हफ्तों से ठीक से सो नहीं पा रहे हैं और गंभीर अवसाद में हैं। पुलिस ने बताया कि आत्महत्या का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए कोयंबटूर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। आगे की पूछताछ की जा रही है।

सड़क निर्माण के लिए ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

26 वर्ष पूर्व बनी सड़क पर अब चलना हुआ मुश्किल

नियामताबाद (चंदौली)। विकास खंड क्षेत्र के सुरौली गांव में 26 वर्ष पूर्व बनी सड़क की मरम्मत नहीं होने से सड़क की जगह मिट्टी व गढ्ढे रह गए। जनप्रतिनिधि की उपेक्षा से नाराज ग्रामीणों ने सरकार के खिलाफ गुरुवार को विरोध में प्रदर्शन किया ,तथा सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया तो आन्दोलन की चेतावनी दी। सुरौली गांव में 26 वर्ष पूर्व में 1997में भाजपा के विधायक रहे छब्बू पटेल द्वारा पीडब्ल्यूडी से चार सौ मीटर सड़क निर्माण कार्य कराया गया था।अब यह सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है, ग्रामीण मरम्मत के लिए जनप्रतिनिधियों से मांग करते रहे पर केवल आश्वासन मिलता रहा।सपा, बसपा अब भाजपा के सांसद एवं कैबिनेट मंत्री भारत सरकार महेंद्र नाथ पांडेय एवं विधायक रमेश जायसवाल से ग्रामीणों का दल जाकर मिला और समस्या बताया कि भाजपा के समय बनी सड़क अगर अब नहीं तो कब बनेगी। प्रदर्शन करने वालों में बलीराम, बिरेंद्र पाठक, जितेंद्र सिंह,चन्दन गुप्ता,झेगूर चौहान,खटाई गुप्ता, शमशेर अहमद,नब्बू खा, अब्दुल हफीज, गुड्डु, बेगम चौहान आदि शामिल रहे।

पदयात्रा निकाल पूर्व विधायक ने सड़क की बदहाली के लिए भाजपा को बताया जिम्मेदार

चहनियां(चंदौली)। चहनियां से पीडीडीयू नगर तक दर्जनों गांव होते हुए पूर्व विधायक मनोज सिंह डब्लू ने सैकड़ों समर्थकों संग गुरुवार को पदयात्रा निकाली। पूर्व विधायक ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली।

चहनियां कस्बा से पीडीडीयू नगर तक मार्ग के खराब होने से विगत कई वर्षों से आने जाने वाले राहगीर परेशान हैं, जिसे लेकर पूर्व विधायक मनोज सिंह डब्लू ने चहनियां से पीडीडीयू नगर तक पूर्व विधायक ने पदयात्रा निकाली।

जो चहनियां होते हुए मुख्य मार्ग से रानेपुर,महेशपुर,कैलावर,पक्खोपुर, भूपौली, कैली आदि गांवों से होकर पीडीडीयू नगर तक पहुंची।

जैसे जैसे कारवां बढ़ता गया हजारो लोग सहयोग में शामिल हुए। इस दौरान पूर्व विधायक मनोज सिंह डब्लू ने कहा कि इस जनपद के केंद्रीय मंत्री व सांसद विकास पुरुष कहलाते हैं फिर भी जनपद की सड़कें बदहाल हैं। गांवों में जाने वाले मार्गो की हालत दयनीय है । सबसे ज्यादा चहनियां से पीडीडीयू नगर तक सड़क जर्जर हो चुकी है । मार्ग पर आये दिन लोग गिरकर घायल हो रहे हैं। बाबजूद सड़क की मरम्मत नही करायी जा रही है । मैं एक्सईएन से मिलकर पूछूंगा कि आखिर सड़क को बदहाल क्यों छोड़ा गया है । विकास का ढिंढोरा पीटने वाली सरकार के पास बजट खत्म हो गया है क्या । लोग कई वर्षों से झेल रहे हैं,फिर भी केंद्रीय मंत्री चुप्पी साधे हुए हैं। इस बार जनता जबाब देगी ।

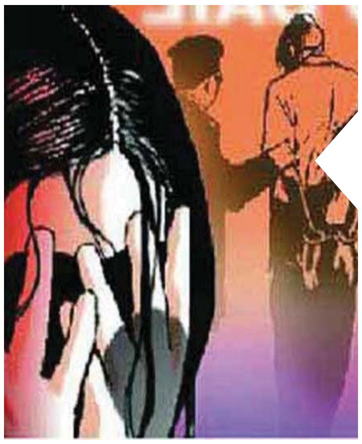

नाबालिग दलित किशोरी के साथ युवक ने किया दुष्कर्म

पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही में जुटी

चहनियां (चंदौली)। समीपवर्ती क्षेत्र के सकलडीहा कोतवाली के एक गांव की नाबालिग दलित युवती से दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस पीड़ित के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर युवती का मेडिकल जांच कराकर कार्यवाही में लगी है। बता दें कि सकलडीहा कोतवाली के एक गांव निवासिनी नाबालिग दलित पूजा (काल्पनिक नाम) उम्र 13 वर्ष का उसी गांव का रहने वाला एक (21) वर्षीय युवक घर से बुधवार की शाम को अगवाकर ले गया। उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

पीड़िता गुरुवार सुबह घर पहुची तो अपनी मां से आपबीती सुनाई। उसके बाद पीड़िता अपने माँ के साथ कोतवाली पहुंचकर शिकायत करते हुए तहरीर दी। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए युवती का मेडिकल जांच कराया।

इस संबंध में सीओ राजेश राय ने बताया कि पीड़िता की मां की शिकायत पर सकलडीहा कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। आरोपी युवक के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

सभी संविदा कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों की तरह मिलेंगे अवकाश

संविदा कर्मियों को नियमित कर्मचारियों के बराबर वेतन : सीएम शिवराज

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश के भव्य भवन का निर्माण हो रहा है और इसकी नींव के पत्थर संविदा कर्मचारी हैं। इन्होंने नियमित कर्मचारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर और कहीं-कहीं उनसे भी अधिक कार्य किया है। कई अवसर पर जान की बाजी लगाकर दायित्व निभाया और अद्भुत कार्य कर दिखाया। कोविड के दौर में भी संविदा कर्मचारियों ने नागरिकों की जिन्दगी बचाई, जिसे मध्यप्रदेश कभी भुला नहीं पाएगा। संविदा कर्मचारियों की क्षमताएँ, सेवाभाव और कार्यकुशलता किसी से कम नहीं है। इस नाते इनके जीवन की अनिश्चितता को समाप्त करना आवश्यक है। यदि आज मध्यप्रदेश नंबर-वन है तो इसके लिये विभागों में कार्य कर रहे संविदा कर्मचारियों ने आगे बढ़ कर कार्य किया है। ये मध्यप्रदेश के लिए दाएं-बाएं हाथ और दिल की तरह हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज लाल परेड मैदान परिसर स्थित नेहरू स्टेडियम में संविदा कर्मचारियों के विशाल सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। नियमित कर्मचारियों की तरह अनेक लाभ मिलेंगे संविदा कर्मचारियों को : सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संविदाकर्मियों के हित में महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं। इसमें प्रतिवर्ष सेवा के अनुबंध को समाप्त करने, नियमित कर्मचारियों की तहत अवकाश, बीमा योजना, रिटायरमेंट पर ग्रेच्युटी, अनुकम्पा नियुक्ति के लाभ देने और नियमित पदों पर भर्ती में 50 प्रतिशत स्थानों पर संविदा कर्मियों को आरक्षण की सुविधाएँ शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वे आश्वस्त है कि संविदा कर्मचारी पहले से भी ज्यादा मेहनत और ईमानदारी से कार्य करेंगे। प्रदेश के नागरिकों की जिन्दगी बचाने, उन्हें विकास का लाभ देने, शिक्षा का प्रकाश फैलाने और जिन्दगी रोशन करने का कार्य संविदा कर्मचारियों को करना है। संविदा कर्मचारी अपने लिए नहीं, प्रदेश के लिए जी-जान से कार्य करेंगे। प्रतिवर्ष अनुबंध की व्यवस्था उचित नहीं है, इसलिए इसे समाप्त किया जा रहा है। अनेक संविदा कर्मचारियों को कार्य करते हुए 20 - 25 वर्ष तक हो गए हैं। इनकी जिन्दगी कठिन हो गई, रिन्यूअल का चक्कर खत्म करना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संविदा कर्मचारियों ने प्रदेश के विकास में अद्भुत कार्य कर दिखाया है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत संविदा कर्मचारियों की प्रशंसा में इस उक्ति से की - जिनके काम में है दम-जो नहीं है किसी से कम - ऐसे लाखों संविदा कर्मचारियों पर हम करते हैं गर्व। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संविदा कर्मचारियों के चेहरे की मुस्कुराहट देखकर उनकी जिन्दगी सार्थक हो गई है। पहले सरकार और कर्मचारी संघ के बीच संघर्ष होता रहता था। अब सरकार के मंत्री, संविदा कर्मचारियों का स्वागत करने आए हैं।

कर्मचारियों के कुशल दायित्व निर्वहन से मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा : मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि चाहे स्वास्थ्य विभाग के फार्मासिस्ट हों, लैब टेक्नीशियन हों, ए.एन.एम. हों, स्टाफ नर्स हों या विद्युत विभाग के संविदा कर्मचारी, जो मध्यप्रदेश को उजाला देने का कार्य कर रहे हैं, सभी ने अपने दायित्व को बेहतर अंजाम दिया है। प्रदेश का सम्मान बढ़ाया है। ये सभी नींव के पत्थर हैं। जिस तरह मंदिर पर कलश दिखाई देता है, वे कलश जिस गुंबद पर टिका है, वह दीवारों पर टिका होता है। ये दीवारें नींव पर टिकी होती हैं। संविदा कर्मचारियों ने नियमित कर्मचारियों की तरह अपनी ड्यूटी बखूबी निभाई है। प्रदेश के हित में नियमित और संविदा कर्मचारियों ने कुशलता से दायित्व निर्वहन किया है। मध्यप्रदेश इसलिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश की विकास दर 16 प्रतिशत है, जो राज्यों में सर्वाधिक है। प्रति व्यक्ति आय, बजट के आकार, सड़कों का जाल बिछाने, सिंचाई साधन बढ़ाने, सीएम राइज विद्यालय प्रारंभ करने जैसे सभी क्षेत्रों में मध्यप्रदेश काफी आगे है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संविदा कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण घोषणाओं के पश्चात प्रदेश के विकास के लिए बेहतर कार्य करने का संकल्प भी दिलवाया। बड़ी संख्या में उपस्थित संविदा कर्मचारियों ने दोनों हाथ उठाकर संकल्प लिया और मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा की गई घोषणाओं का ताली बजाकर हर्ष ध्वनि से स्वागत किया और आभार माना।

इंदौर के अस्पताल में बच्चों की मौत पर हंगामा:

परिजन बोले-खराब दूध से मर रहे मासूम; प्रशासन ने कहा, दो बच्चों की हुई मौत

इंदौर। इंदौर के महाराज तुकोजीराव होलकर महिला अस्पताल (स्ज्ञ॥) में गुरुवार को दो बच्चों की मौत पर जमकर हंगामा हो गया। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही और खराब दूध पिलाने का आरोप लगाया। परिजनों का तो ये भी कहना है कि इन्हीं कारणों से यहां रोज बच्चों की मौत हो रही है। अस्पताल प्रबंधन अलग-अलग कारणों से 2 बच्चों की बात मान रहा है। वहीं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी, जो भी दोषी मिलेगा, उन पर कार्रवाई की जाएगी। हंगामे के बाद कलेक्टर और संभागायुक्त भी अस्पताल पहुंचे। प्रारंभिक जांच के बाद प्रशासन ने कहा कि एक बच्ची की मौत हुई है, जो कि प्री मेच्योर थी। उसके लंग्स में दूध चला गया था। शिकायत मिलने पर पुलिस की ओर से अस्पताल पहुंचे,छ्क्क बीपी शर्मा ने बताया कि प्री मेच्योर बच्ची के अलावा एक अन्य बच्चे की निमोनिया से मौत हुई है। इंदौर के एमटीएच अस्पताल में गुरुवार को दो बच्चों की मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों ने हंगामा कर दिया। अस्पताल में जांच के लिए पहुंचे एडीएम (एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट) अभय बेड़ेकर ने बताया एक प्री मैच्योर बच्ची की मौत हुई है। बच्ची 10 जून को जन्मी थी और कमजोर थी। उसका जन्म सात महीने में हो गया था। अन्य मौतों के बारे में जानकारी नहीं है। खराब दूध से फूड पॉयजनिंग की बात गलत है। यदि पहले किसी तरह का घटनाक्रम हुआ है तो उसे चेक कराया जाएगा। एसीपी (असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस) बीपी शर्मा ने बताया कि दो मौतें हुई हैं। इनमें से एक की मौत निमोनिया व अन्य बीमारी के कारण हुई है। एक बच्चे के लंग्स में दूध चले जाने की बात सामने आई है। इसके अलावा कोई मौत नहीं है। सोशल मीडिया पर जो मैसेज चल रहा है, वो गलत है। अस्पताल की एसएनसीयू यूनिट के प्रभारी और एसोसिएट प्रोफेसर सुनील आर्य ने बताया कि बच्ची की मौत फेफड़े में दूध जाने के कारण हुई है। 15 बच्चों की मौत होने की खबर पूरी तरह से भ्रामक है। पिछले सात दिनों में भी ऐसा कुछ नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि पूरे जिले से और कभी-कभी बाहर से भी क्रिटिकल कंडीशन में बच्चों को यहां लाया जाता है।

सियागंज में देर रात भीषण आग

इंदौर। इंदौर के सियागंज में बुधवार रात एक कोल्ड स्टोरिज भीषण आग लग गई। आग की सूचना के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची। यहां दमकलकर्मियों ने शुरुआत में आग बुझाने का काम किया। लेकिन कीटनाशक ओर केमिकल के चलते आग ने नजदीक की दुकानों को भी चपेट में ले लिया। फायर ब्रिगेड के एसआई संतोष कुमार दुबे ने बताया कि बुधवार रात करीब ढाई बजे के लगभग कंट्रोल रूम से आग की सूचना मिली थी। सियागंज में ईश्वर दास किराना के पास बने कोल्ड स्टोरेज से आग की शुरूआत हुई। इसके बाद उसने गौतमपुरा वाला की कीटनाशक दवाई ओर केमिकल की दुकान को भी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंची और आग पर काबू करने का प्रयास किया। लेकिन तेल ओर घी के डिब्बों में ब्लास्ट होने के चलते आग ओर भीषण होती गई। जिस पर काफी हद तक काबू कर लिया गया है। रहवासियों के मुताबिक जिस कोल्ड स्टोरेज से आग की शुरूआत हुई वह अधिकतर बंद रहता है। वह किसका है इस बारे में जानकारी सामने नही आ पाई है।

उज्जैन रेलवे स्टेशन भी अब शिवमय, त्रिनेत्र रूप में बनेगा

825 करोड़ रुपए में कायाकल्प होगा, 52 लिफ्ट और 31 एस्केलेटर लगेंगे

उज्जैन। उज्जैन में महाकाल लोक के बाद अब जल्द ही उज्जैन रेलवे स्टेशन नए रूप में आकर लेने जा रहा है। 825 करोड़ रुपए से रेलवे स्टेशन की सूरत बदल जाएगी। स्टेशन के री-डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के नए नक्शे को केंद्रीय रेल मंत्री की स्वीकृति मिल गई है। नए प्रोजेक्ट के मुताबिक भवन की इमारत का प्रवेश द्वार भगवान शिव के त्रिनेत्र के आकार में बनेगा। यात्रियों के प्रवेश के लिए तीसरा नेत्र खुला रहेगा, जबकि बाकी दोनों नेत्रों से बाहर निकलने का रास्ता बनेगा। 11 अक्टूबर 2023 को श्री महाकाल महालोक का लोकार्पण पीएम नरेंद्र मोदी ने किया था निर्माण होने के बाद उज्जैन में यात्रियों की संख्या में अप्रत्याशित इजाफा हुआ है। अब रेलवे ने भी बढ़ती भीड़ को देखते हुए उज्जैन रेलवे स्टेशन का कायाकल्प करने जा रहा है। करीब 825 करोड़ रुपये से स्टेशन का विकास किया जाएगा। इसके लिए कंसल्टेंसी एजेंसी प्लान तैयार कर ली है। उज्जैन रेलवे स्टेशन का विकास पूरी तरह से हवाई अड्डे की तर्ज पर किया जाएगा। इससे यह भव्य नजर आने के साथ ही यात्रियों को बेहतर सुविधाएं भी मिलेंगी। स्टेशन पर यात्रियों को अच्छा वातावरण देने के अलावा रेस्टोरेंट, शापिंग माल, रेस्ट हाउस बनाया जाएगा। प्लेटफार्म पर महाकालेश्वर मंदिर का प्रसाद, दान काउंटर, सुविधा केंद्र, उज्जैन के प्रसिद्ध कुंकू-मेहंदी, नमकीन, भैरवगढ़ प्रिंट के स्टाल लगाए जाएंगे। सांसद अनिल फिरोजिया ने बताया कि उज्जैन का रेल्वे स्टेशन आगामी में कुछ साल बाद देश के सबसे भव्य और सुन्दर स्टेशन में शुमार होगा। इसका निर्माण के बाद यात्रियों को सभी सुविधा मिलेगी जो इंटरनेशल एयरपोर्ट पर मिलती है। -नए स्टेशन पर अलग-अलग इंट्री एग्जिट गेट होंगे ,जिससे भीड़ भाड़ मुक्त और सुगम प्रवेश और निर्गम मिल सकेगा। -प्लेटफॉर्मो पर भीड़भाड़ से बचने के लिए यात्री सुविधा वातानुकूलित प्रतीक्षालय।

वरुण-जाह्नवी का 'बवाल' से रोमांटिक ट्रैक का ऑडियो रिलीज, मनोज मुंतशिर ने लिखे गाने के बोल

सारा अली खान के बाद अब वरुण धवन जल्द ही 'धड़क' एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर के साथ 'बवाल' मचाते हुए नजर आएंगे। उनकी और जाह्नवी कपूर की आगामी फिल्म 'बवाल' को लेकर एक लंबे समय से चर्चा है। फिल्म के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जानकारी के बाद मेकर्स ने 5 जुलाई को 'बवाल' का टीजर रिलीज किया था, जिसमें रोमांस के साथ-साथ भरपूर सस्पेंस भी दर्शकों को देखने को मिला। अब टीजर के बाद मेकर्स ने फिल्म का पहला रोमांटिक ट्रैक आउट कर दिया हैं, जिसके बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की बवाल का पहले गाने 'तुम्हें कितना प्यार करते' मेकर्स ने आउट कर दिया है। हालांकि, उन्होंने अभी सिर्फ इसका ऑडियो रिलीज किया है।

'बवाल' के इस रोमांटिक ट्रैक में अरिजीत सिंह और मिथुन ने अपनी आवाज दी है। गाने का म्यूजिक मिथुन ने कम्पोज किया है। इस गाने के बोल 'आदिपुरुष' के डायलॉग राइटर मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। आपको बता दें कि मनोज मुंतशिर ने 'आदिपुरुष' फिल्म के डायलॉग्स लिखे थे, जिसकी वजह से उन्हें न सिर्फ आलोचना झेलनी पड़ी थी, बल्कि उन्हें जान से मारने की धमकी भी मिल रही थी। बवाल के इस ऑडियो ट्रैक को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, 'दिल को छू लेने वाला रोमांटिक मेलोडी 'तुम्हे कितना प्यार करते' रिलीज हो चुका है, जिसे सुपर ट्रायो मिथुन- अरिजीत सिंह और मनोज मुंतशिर ने बनाया है'।

कंगना हुई ट्रोल, ऋतिक से मुकबाला करने के लगे आरोप

कंगना रनोट आए दिन किसी न किसी विवाद में उलझती रहती हैं। कभी किसी बॉलीवुड माफिया, तो कभी किसी स्टार से पंगा लेने के कारण चर्चा बटोरती रहती हैं। अब उन्हें अपनी अपकमिंग फिल्म तेजस को पहली भारतीय एरियल एक्शन मूवी बताने पर ट्रोलिंग झेलनी पड़ रही हैं। कंगना रनोट ने हाल ही में तेजस का फर्स्ट लुक जारी किया है। साथ ही रिलीज डेट का भी एलान किया। अब उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में फिल्म से जुड़ी एक तस्वीर शेयर की और साथ ही लिखा डायरेक्टर सरवेश मेवारा का नाम लिखते हुए कहा कि तेजस पहली भारतीय एरियल एक्शन फिल्म हैं। कंगना रनोट का ये पोस्ट रेडिट पर चंद मिनटों में वायरल हो गया। एक्ट्रेस की बात सुनते हुए कुछ यूजर ने कहा कि कंगना एक बार फिर ऋतिक रोशन को टारगेट कर रही हैं, क्योंकि उनकी आगामी फिल्म फाइटर को भी यही बोल कर प्रमोट किया जा रहा है कि ये एक एक्शन एरियल फिल्म है। कंगना रनोट के पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए एक यूजर ने कहा, 'दीदी फिर से ऋतिक के साथ मुकाबला कर रही हैं।' एक अन्य ने कहा, 'इनकी पूरी जिंदगी ऋतिक और रणबीर के पीछे पड़ने में ही बीत जाएगी।' तेजस पर बात करते हुए एक यूजर ने कहा, 'कंगना को बस ऋतिक को उकसाना है। फाइटर के लिए यही टैग इस्तेमाल कर रहे थे। अब देखते है कि तेजस में कितना एरियल एक्शन है या बस हवाबाजी कर रही है।' तेजस के लिए कंगना रनोट का दावा सुनकर कुछ लोगों को उनकी आखिरी रिलीज फिल्म धाकड़ याद आ गई। एक्ट्रेस ने धाकड़ को भारत की पहली महिला जासूसी एक्शन फिल्म कहा था। धाकड़ को लेकर कमेंट करते हुए एक यूजर ने कहा, 'उन्होंने धाकड़ के बारे में भी कुछ ऐसा ही कहा था कि ये पहली भारतीय महिला जासूसी एक्शन फिल्म है और इसने सिर्फ आठ टिकट बेचे थे। क्या इतिहास खुद को दोहराएगा?' बता दें कि धाकड़ ने रिलीज के आठवें दिन सिर्फ 8 टिकट बेचे थे।

माधुरी दीक्षित को क्यों अंडररेटेड एक्ट्रेस मानती हैं काजोल? वजह जानकर हैरान रह जाएंगे

काजोल और माधुरी दीक्षित फिल्म इंडस्ट्री में सबसे प्रतिभाशाली एक्ट्रेसेस में से हैं. दोनों को फिल्म इंडस्ट्री में तीन दशक से भी ज्यादा का समय बीत चुका है. इतने सालों से दोनों की फिल्में दर्शकों को एंटरटेन करती रही हैं. 90 के दशक में काजोल और माधुरी एक-दूसरे को कॉम्पिटिशन भी देती थीं, लेकिन हाल ही में काजोल ने माधुरी दीक्षित को जब 'अंडररेटेड एक्ट्रेस' बताया तो हर कोई चौंक गया.

जब हाल ही में जूम का इंटरव्यू हुआ तो काजोल से पूछा गया कि फिल्म इंडस्ट्री में वो किसे अंडररेटेड मानती हैं. जिसके जवाब में काजोल ने माधुरी दीक्षित का नाम लिया और कहा, 'माधुरी डिफरेंट रोल्स पाना डिजर्व करती थीं.

'भले ही काजोल और माधुरी दीक्षित ने कभी स्क्रीन स्पेस शेयर ना किया हो, लेकिन वो दोनों एक अच्छा बॉन्ड शेयर करती हैं. हालांकि अजय देवगन ने माधुरी के साथ कुछ फिल्मों में काम किया है. दोनों आखिरी बार फिल्म 'टोटल धमाल' में स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आए थे.

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली संग वायरल हुई अक्षरा सिंह की तस्वीरें, एक्ट्रेस ने डांस से मचाया गदर!

भोजपुरी सिनेमा की जानी मानी अभिनेत्री और सिंगर अक्षरा सिंह किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अक्षरा उन एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जिनके चाहने वाले भोजपुरी सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक मौजूद हैं। अक्षरा एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। इसी बीच अक्षरा की लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा में बनी हुई है। इन तस्वीरों में अक्षरा सिंह, टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के साथ नजर आ रही हैं। भोजपुरी सिनेमा की ब्यूटीफुल एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने कल रात कोलकाता में जमकर धमाल मचाया। इस दौरान उनकी मुलाकात टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली से भी हुई। इस दौरान उन्होंने सौरव संग जमकर पोज दिए। दोनों की तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल भी होने लगी है, जिसमें अक्षरा सिंह गोल्डन साड़ी और सौरव गांगुली ब्लैक कोट पैंट में काफी हैंडसम नजर आ रहे हैं।

अक्षरा सिंह और सौरव गांगुली की वायरल तस्वीरें कैप्टन टीएमटी के कंपनी के डीलर्स मीट के दौरान की हैं। इसी इवेंट में अक्षरा ने अपने जबरदस्त डांस परफॉर्मेंस और अदाओं से सबका दिल जीता। आपको बता दें कि अक्षरा सिंह और सौरव गांगुली कैप्टन टीएमटी के ब्रांड एम्बेसडर हैं। अक्षरा सिंह को अभी हाल ही में इस कंपनी ने ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। इस वजह से उन्होंने एक बार फिर इस कंपनी के डीलर मीट में अपने पावर पैक परफॉर्मेंस से सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। अक्षरा ने इसकी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर भी डाली और लिखा- 'कोलकाता, आप शानदार थे। अपने विस्तृत परिवार कैप्टन स्टील के लिए प्रदर्शन करना मेरे लिए बेहद खुशी की बात थी। मैंने इसका हर पल आनंद उठाया... मुझे उम्मीद है कि आप लोगों से बहुत जल्द ही मुलाकात होगी।'

मालिक, मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email -editor@rokthoklekhaninews.com